भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.)

'भिवानी गौरव सम्मान : 2022'

श्री मदन पाल
श्री सुरजीत सिंह
भिवानी गौरव सम्मान (खेल)

खेल की दुनिया में हिंदुस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलाने में जिला भिवानी का नाम विशेष योगदान रहा है । खेलों की इस बगिया को बहुत से बागबाओं ने अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयत्नों से सिंचित किया है। खेलों की दुनिया की एक ऐसी ही विशिष्ट शख्सियत है मदन पाल चौहान। एक कोच के रूप मे अपनी सेवा के दौरान आप सुबह-शाम दोनों समय खेल के मैदान पर नियमित रूप से अपनी सेवाएं देकर अनेक खिलाड़ियों को द्रोणाचार्य की भांति तैयार किया।

आपकी तपस्या के फलस्वरूप आपके द्वारा प्रशिक्षित अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है। आपके कबड्डी कोच के प्रशिक्षण मे अनेक अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां हैं। आपके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने कबड्डी वर्ल्ड कप मे गोल्ड मेडल, राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल, सैफ खेलों मे गोल्ड मेडल, एशियाई खेलों मे कांस्य पदक, एशियाई चैम्पियंशिप में गोल्ड मेडल व जूनियर एशियाई चैम्पियंशिप मे गोल्ड मेडल हासिल किया है।

आपके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने भारत और पाकिस्तान के कबड्डी मैच मे अपना जलवा बिखेरा है।

सम्प्रति आप जिला खेल और युवा मामलों के अधिकारी के दायित्व से प्रतिभाओं को तराश कर विभिन्न खेलों के लिये तैयार कर रहे हैं।

भिवानी परिवारमैत्री संघ आपको सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ।

डॉ. महावीर अग्रवाल
राम कृष्ण गुप्ता
भिवानी गौरव सम्मान (शिक्षा)

शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में डॉ. महावीर अग्रवाल का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है। प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. महावीर अग्रवाल किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं।

आपक जन्म 9 अक्तूबर सन 1951 में हुआ । आपने श्रीमद दयानंद आर्ष विद्यापीठ, गुरुकुल झज्जर से व्याकरणाचार्य की शिक्षा ग्रहण की। तत्पश्चात गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से संस्कृत मे एम. ए. स्वर्ण पदक के साथ किया। साथ ही गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से आपने स्वर्ण पदक के साथ वेद मे एम.ए. किया । आगरा विश्वविद्यालय से हिंदी मे एम.ए. किया । चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संस्कृत में पीएचडी तथा संस्कृत में डी.लिट. की उपाधि ग्रहण की।

आपको शिक्षा के क्षेत्र में विस्तृत प्रशासनिक अनुभव है। आप गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष रहे। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय मे ही आप वैदिक शोध संस्थान मे निदेशक, कुलसचिव रह चुके हैं। प्राच्य विद्या संकाय में आप संकायाध्यक्ष रह चुके हैं । उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के उपाध्यक्ष रह चुके हैं । गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में आपने आचार्य एवं उप-कुलपति के दायित्व का निर्वाहन किया । उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में आपने कुलपति के रूप मे अपनी सेवायें दी हैं।

आपको स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विभागाध्यक्ष, रीडर, प्रोफेसर के रूप में 40 से अधिक वर्षों के अध्यापन का अनुभव है । इसके साथ-साथ आप शोध कार्य मे भी सक्रिय रहे। आपको 35 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव है।

आपके निर्देशन मे 70 शोध छात्र संस्कृत वाड्मय की विभिन्न शाखाओं मे शोध कार्य पूर्ण कर पी.एच.डी. शोधोपाधि प्राप्त कर चुके हैं । इसके अलावा आप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुदान से 'संस्कृत साहित्य में प्रबंधन तत्व' विषय पर एक वृहद शोध परियोजना पर कार्य कर चुके हैं ।

आपकी अनेक रचनायें प्रकाशित हो चुकी है जिनमें वाल्मीकि रामायण मे रस विमर्श, वैदिक अर्थ-व्यवस्था, संस्कृत गद्य लतिका, महाकवि कालिदास, रघुवंश महाकाव्य के 1,2,5 सर्गों की विस्तृत भूमिका सहित व्याख्या तथा ऋक सूक्त मंजूषा, ऋग्वेद के प्रसिद्ध सूक्तों की भूमिका सहित विस्तृत व्याख्या प्रमुख हैं।

विश्वविद्यालय की मासिक शोध पत्रिका 'गुरुकुल पत्रिका' के आप 13 वर्ष प्रधान सम्पादक रहे । उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार की शोध पत्रिका 'शोध प्रज्ञा' के प्रधान सम्पादक रहे। आपके निर्देशन मे अनेक शोध सम्मेलनों का आयोजन किया गया है। इसके साथ-साथ आपने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-नई दिल्ली, संघ लोक सेवा आयोग- नई दिल्ली, लोक सेवा आयोग: उत्तराखंड, लोक सेवा आयोग : बिहार, जे.एन.यू. दिल्ली, लोक सेवा आयोग : मध्य प्रदेश, उच्च शिक्षा आयोग; उत्तर प्रदेश, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय : राजस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान : नई दिल्ली, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय : उत्तराखंड, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय : वाराणसी, नेशनल ओपन स्कूल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय : वाराणसी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, दिल्ली विश्वविद्यालय : दिल्ली, अलीगढ विश्वविद्यालय : अलीगढ़, इलाहाबाद विश्वविद्यालय- इलाहाबाद, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय -मेरठ, श्री शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय-कानपुर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय-रोहतक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय : आगरा, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय : फैजाबाद, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय : कुरुक्षेत्र, श्री हेमवतीनंदन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय : श्रीनगर, कुमायूं विश्वविद्यालय-नैनीताल, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय : शिमला, लखनऊ विश्वविद्यालय-लखनऊ, राजस्थान विश्वविद्यालय : जयपुर, जोधपुर विश्वविद्यालय : जोधपुर, श्री मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय : उदयपुर, मुम्बई विश्वविद्यालय : मुम्बई, वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, राष्ट्र संत तुकाडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ. नागपुर, संत गाडगेजी महाराज अमरावती विद्यापीठ :अमरावती जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में विषय विशेषज्ञ अथवा प्रतिनिधि सदस्य के रूप मे भी कार्य किया है ।

आप अनेक विश्वविद्यालयों में आचार्य, एम.ए., पीएएचडी, डी.लिट के परीक्षक रहे तथा अनेक विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसियेट प्रोफेसर, प्रोफेसर पद के नियुक्तियों में विषय विशेषज्ञ रहे। देश-विदेश मे अनेक शोध सम्मेलनों मे आपकी सहभागिता रही है। आपको अनेक सम्मानों एवं उपाधियों से नवाजा गया है। आपको भारतीय गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च राष्ट्रपति सम्मान एवं पुरस्कार भी मिल चुका है। अनेक सामाजिक संगठनों में आपकी सक्रिय सहभागिता है । टी.वी. और आकाशवाणी से आपकी अनेक वार्ता प्रसारित हो चुकी हैं। आस्था चैनल पर प्रसारित 'उपनिषद सुधा' नामक कार्यक्रम अत्यंत लोकप्रिय रहा।

सम्प्रति आप प्रति-कुलपति, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार में अपनी सेवायें दे रहे है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ।

श्री जनार्दन शर्मा
पंडित गोपाल कृष्ण
भिवानी गौरव सम्मान (संगीत एवं कला)

भिवानी जिले के निवासियों ने लगभग हर क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अद्वितीय पहचान बनाई है। कला के क्षितिज पर एक चमकते सितारे के रूप में विद्यमान हैं श्री जनार्दन शर्मा । आपका जन्म 7 अप्रैल 1946 को ग्राम बंधवाना (चरखी दादरी : भिवानी) में हुआ । आपने एम.ए., बीए एड. की शिक्षा ग्रहण की। आपने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा और बाबा मस्त नाथ विश्वविद्यालय, रोहतक में निदेशक : युवा कल्याण का दायित्व निभाया । गुरुग्राम विश्वविद्यालय गुरुग्राम में सलाहकार युवा कल्याण रहे । सैनी कॉलेज, रोहतक में प्रिंसिपल, डीएवी कॉलेज, अमृतसर और गवर्नमेंट कॉलेज कालका (अंबाला) में व्याख्याता के रूप में भी काम किया। एमडी विश्वविद्यालय रोहतक से निदेशक, युवा कल्याण के पद से सेवानिवृत्त हुए।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने 12 फरवरी 1972 को जनार्दन-रात्रि का आयोजन किया जिसमें हरियाणा के तत्कालीन राज्यपाल स्वर्गीय महामहिम श्री बी.एन. चक्रवर्ती जी ने आपको सम्मानित किया। सन 1973 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर कलाकार का सम्मान मिला । सन् 1976 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला । सर्वश्रेष्ठ शिविरार्थी के साथ-साथ हरियाणा के सर्वश्रेष्ठ मोनो-अभिनेता का सम्मान मिला। हरियाणा की 18 फीचर फिल्मों और 4 टीवी सीरियल में अभिनय किया। एचएफडीसी, नई दिल्ली द्वारा सन् 1989 में हरियाणा का सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता घोषित किया गया। आप अनेक हरियाणवी फिल्मों के लिरिक्स राइटर हैं । एमडी यूनिवर्सिटी, रोहतक द्वारा प्रायोजित हरियाणवी परंपराओं और संस्कृति पर 8 वृत्तचित्र फिल्मों का निर्देशन किया। हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए देवी शंकर पुरस्कार प्रदान किया गया। ए.आई.यू नई दिल्ली, हरियाणा एवं पंजाब के सभी विश्वविद्यालयों, युवा और खेल विभाग हरियाणा और अन्य गैर सरकारी संगठनों के युवा उत्सवों अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में न्यायाधीश के रूप में अपनी भूमिक अदा की। कला संगीत, रंगमंच और नृत्य का क्षेत्र में आपको विभिन्न प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों द्वारा लगभग 25 पुरस्कार अथवा सम्मान प्राप्त हो चुके हैं ।

आप कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद के 5 साल तक सदस्य रहे । चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय की युवा कल्याण समिति के 4 वर्षों से सदस्य है । चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद की सांस्कृतिक परिषद के सदस्य रह चुके हैं । आप आल इंडिया रेडियो के बी क्लास के हाई ग्रेड हरियाणवी थिएटर आर्टिस्ट हैं।

आपका व्यक्तित्व सरल, मृदुभाषी और मिलनसार है । आप अपने कार्य के प्रति समर्पित है तथा अपनी कला की छटा देश-विदेश मे बिखेर रहे है।

सम्प्रति आप हरयाणवी इन्नोवेटिव फिल्म एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के प्रेसिडेंट तथा यूथ हास्टल एशोसियेशन आफ इंडिया के हरियाणा विभाग के चेयरमैन का दायित्व निभा रहे हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.)

'भिवानी गौरव सम्मान : 2022'

श्री श्याम वाशिष्ठ
पंडित माधव मिश्र
भिवानी गौरव सम्मान (साहित्य)

साहित्य के क्षेत्र में अनेक विभूतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भिवानी जिले को गौरवान्वित किया है ।

प्रख्यात कवि, अभिनेता, निर्देशक, गायक, रेडियो उद्घोषक, मंच संचालक, नाटककार श्री श्याम वाशिष्ठ ने हिंदी साहित्य के क्षितिज पर एक जगमगाते सितारे की भांति अपनी छटा बिखेरी है। आपका जन्म 24 फरवरी 1970 को श्री फतेह चन्द वशिष्ठ एवं श्रीमती राजदुलारी वशिष्ठ के घर हुआ। आपके रंगमंच गुरू श्री कुंजबिहारी शर्मा और काव्य-गुरु श्री कैलाश चंद्र 'शाहीं' हैं । आपने एम.कॉम, बी.एड, यूजीसी नैट की परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा पीएच.डी (शोधार्थी) हैं।

आपकी प्रकाशित कृतियां (काव्य एवं गज़ल संग्रह) हैं :

मेरे हिस्से का आसमान, मुखौटे, मैं अपना प्यार क्यूँ रोकूँ, समय की ताल पर (हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा अनुमोदित), राष्ट्रीय साहित्य अकादमी, हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा उर्दू अकादमी की आधिकारिक पत्रिकाओं में समय समय पर आपकी काव्य रचनाएँ, आलेख, लघुकथा, समीक्षा आदि प्रकाशित होते रहते हैं। अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर रचनाएँ एवम आलेख का प्रकाशन होता है । प्रतिष्ठित एवं ख्याति प्राप्त शोधग्रंथों में अलग अलग विषयों पर आपके 8 अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं जिसमें 'आधुनिक गज़ल के सामाजिक सरोकार' चर्चित शोधपत्र है ।

हरियाणा एवं राष्ट्रीय स्तर पर अभिनेता, निर्देशक, गायक, रेडियो उद्घोषक, मंच संचालक एवं कवि अथवा शायर के रूप में आपकी स्वतन्त्र पहचान है। आपको दो वर्षों का दूरदर्शन पर समाचार वाचक के रूप में एवम 10 वर्षों का आकाशवाणी उदघोषक के रूप में अनुभव है । आप आकाशवाणी के नाटक प्रभाग में बी हाई श्रेणी के अनुमोदित कलाकार है तथा 50 से अधिक रेडियो नाटकों में अभिनय कर चुके हैं एवं 3 रेडियो नाटकों का लेखन भी कर चुके हैं ।

आपने रंगमंच के 35 से अधिक नाटकों में बतौर मुख्य अभिनेता अभिनय किया है एवं 20 से अधिक नाटकों का निर्देशन भी किया है। भिवानी के मेघदूत थिएटर ग्रुप से 1987 से सक्रिय रूप से जुड़े हैं। आपको कामतानाथ प्रसाद की कहानी 'संक्रमण' पर आधारित हास्य-व्यंग्य नाटक 'बाबूजी ठीक कहते थे' में बतौर मुख्य अभिनेता 55 शो करने का अनुभव है । आपको नवम्बर 2014 में इसी नाटक के मंचन के लिए सिडनी, ऑस्ट्रेलिया से आमन्त्रित किया गया। आपकी सितम्बर 2017 में दुबई अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच फेस्टिवल में भागीदारी रही। दूरदर्शन की दो टेलीफिल्मों 'आत्मबोध' एवं 'अर्धसत्य' में अभिनय किया तथा अनेकों नाटकों के लिए गीत लेखन एवम संगीत संयोजन भी किया ।

आप अखिल भारतीय साहित्य परिषद के आजीवन सदस्य हैं तथा 250 से अधिक कवि सम्मेलनों-मुशायरों में भागीदारी की है । देश के प्रतिष्ठित कवियों-शायरों, साहित्यकारों एवम कलाकारों से आपका व्यक्तिगत परिचय है ।

आपने न्यू इण्डिया डेवलपमेंट फाउंडेशन (एनआईडी) एवं पीएमओ के संयुक्त तत्वावधान में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास पर 29 अप्रैल 2022 को आयोजित अथरवा सद्भावना कार्यक्रम का संचालन किया जिसका प्रसारण सभी राष्ट्रीय चैनलों पर किया गया। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने मंच संचालन की विशेष तौर पर प्रशंसा की। इसी कार्यक्रम के वाराणसी अध्याय का आयोजन प्रधानमंत्री कार्यालय के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की पवित्र नगरी, काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में 14 अक्तूबर 2022 को किया गया।

इस कार्यक्रम के मंच संचालन का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ जहाँ पर उत्तर प्रदेश के आदरणीय मुख्यमंत्री श्रीमान योगी आदित्यनाथ जी मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान रहे।

समय-समय पर आपको अनेक सम्मानों से नवाजा गया है। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ गज़ल गायक का सम्मान, सन् 1989 से 1994 तक लगातार एम डी यू रोहतक के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता होने का सम्मान आपको मिला है। लायन्स क्लब, भिवानी द्वारा कला साधक पुरस्कार, नटराज कलामंच, भिवानी द्वारा साहित्य साधक पुरस्कार, त्रिवेणी कला संगम, भिवानी द्वारा साहित्य कौस्तुभ सम्मान, सांस्कृतिक मंच, भिवानी द्वारा राज्य स्तरीय राजेश चेतन काव्य पुरस्कार, साहित्य कला संगम, हिसार राज्य कवि उदयभानु हंस काव्य पुरस्कार, आई एम ए, भिवानी द्वारा सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन शिक्षक, सम्मान, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, हिसार द्वारा शुक्ल काव्य सम्मान, दैनिक जागरण साहित्य सम्मान, चंदनबाला साहित्य सम्मान, हाली पानीपती सम्मान, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड एवं त्रिवेणी कला संगम द्वारा भारतेन्दु पुरस्कार उल्लेखनीय हैं ।

जिला स्तर, भिवानी एवं उपमंडल, तोशाम के प्रशासनिक उच्चाधिकारियों द्वारा समय समय पर अनेकों बार (शिक्षा एवं साहित्य) में योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया है।

आपको अपने पहले ही कविता संग्रह पर हिंदी अकादमी, दिल्ली सरकार का साहित्यिक कृति सम्मान (1996) प्राप्त हुआ। वातायन (लंदन) का अंतर्राष्ट्रीय कविता सम्मान (2005), कविता का प्रतिष्ठित 'परम्परा ऋतुराज सम्मान (2010) भी आपको प्राप्त है। सम्प्रति आप एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य एवं सांस्कृतिक संयोजक, बनवारी लाल जिन्दल कॉलेज, तोशाम-हरियाणा में सन् 1997 से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

प्रो. श्याम वाशिष्ठ का लेखन अनवरत जारी है। मां शारदा से ये सदा यही कामना करते हैं कि आपकी लेखनी अनवरत चलती रहे।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

डॉ श्रीमती राजश्री सिंह (आईपीएस)
चौधरी बंसीलाल
भिवानी गौरव सम्मान
(ग्राम विकास एवं लोक प्रशासन)

खेल, साहित्य, राजनीति, संगीत, कला के क्षेत्रों के साथ- साथ ग्राम विकास और लोक प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में भिवानी की छवि देखी जा सकती है ।'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' को आपने सार्थक किया है।

हरियाणा के भिवानी क्षेत्र में मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मी एक कन्या राजश्री ने अपने शुरुआती जीवन बाल्यकाल से ही अपने परिवार और समाज में काफी कुछ कर दिखाने का जज्बा महसूस करना शुरू कर दिया था। आप बचपन से ही पूरी तरह से खुले विचारों वाली और गरीब लोगों के प्रति प्रेमी रहीं हैं और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित है।

वैसे राजश्री जी बाल्यकाल से ही असंभव को संभव बनाने के लिए जिद पर अड़ी रहने के लिए जानी जाती हैं । आप स्कूल स्तर पर शिक्षा अर्जन के साथ-साथ जिमनास्टिक टीम की लगातार 6 साल तक कप्तान रही हैं और बाद मे इसी क्षेत्र में चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। शिक्षा सुचारू रूप से ज़ारी रखते हुए आप एक पेशेवर डाक्टर बन गई और लोगों की सेवा करती रही । पढाई के प्रति इसी लग्न की कारण आपने मानवाधिकार विषय में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा एवं शरणार्थी नियम पर एक वर्षीय कोर्स हासिल कर अपने मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं के प्रति एक और महारथ हासिल की है।

अभी तक आपकी शिक्षा अनवरत जारी है और एल.एल.बी. करने के बाद में एल एल एम की पढ़ाई कर ये साबित कर दिया है कि-

'पढ़ने की कोई उम्र नहीं।
पढ़ने में कोई शर्म नहीं।।'

अपनी प्रतिभा और कौशल कला से आप धीरे-धीरे सफलताओं को नतमस्तक झुकाते हुए सन् 1990 में हरियाणा पुलिस में सीधे ही पुलिस उपाधीक्षक पद पर चयनित हो गई ।

लेकिन जैसे ही जोखिम भरी पुलिस सेवा में कार्य करने का मौका मिला तो वहां भी राजश्री जी ने अपने मानवीय मूल्यों और भारतीय संस्कृति की परंपराओं का सामंजस्य स्थापित करते हुए बहुत ही कुशलपूर्वक सेवा करने का परिचय दिया है जो बहुत कम देखने को मिलता है ।

आप सन् 1999 बैच की आई पी एस आफिसर हैं तथा लगातार भारतीय पुलिस सेवा में अपनी सेवाएं दे रही है । सन् 2012 में भारतीय पुलिस सेवा में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आपको राष्ट्रपति पुलिस पदक से नवाजा गया है।

आपको जहां-जहां जिस पद पर सेवा करने की जिम्मेदारी मिली, आपने पूरी तरह से अपनी सूझबूझ से समाज को प्रभावित किया है । जहां तक अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की बात की जाए तो आपने हर जगह पर पुलिसकर्मियों के वैलफेयर पर बहुत ध्यान दिया है और अपने हर कर्मचारी के दु:ख-तकलीफ के लिए 24 घंटे परेशानी सुनने के लिए उपलब्ध रहती हैं। आपके अधीनस्थ कर्मचारी इस बात की पुष्टि करते हैं। यातायात नियमों का पालन कराने में इनका ख़ास अनुभव है । यदि अपराधियों की बात की जाए तो राजश्री जी अवश्य ही खुंखार और रौबदार पुलिस अवसरों में शुमार होती है। कहने का आशय है कि आप अपराधियों में खौफ और आम नागरिकों में विश्वास कायम रखने में जानीं जाती हैं । आप एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता हैं । राजश्री जी समाज में व्याप्त तमाम बुराइयों पर खुलकर प्रहार करती है चाहे कन्या भ्रूण हत्या हो या फिर दहेज प्रथा जैसी अन्य बुराई। आपने अपने लेखन से भी सबको प्रभावित किया है । आपके लेखन कार्य मे अधखिली धूप और दिल से ख़ाकी (काव्य संग्रह) शामिल है। आपका मानना है कि खून की ज़रूरत सड़क को नहीं देश को है! भिवानी परिवार ऐसे मां-बाप को सलाम करताहै जिन्होंने ऐसी सशक्त बालिका को जन्म दिया है।

मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से परिपूर्ण महोदया डॉ. श्रीमती राजश्री सिंह सम्प्रति गुरुग्राम (हरियाणा) में पुलिस महानिरीक्षक अपराध शाखा (I.G./CRIME BRANCH) पद को सुशोभित कर रही हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.)

'भिवानी गौरव सम्मान : 2022'

श्री राम मेहर शर्मा
बाबू बनारसी दास गुप्त
भिवानी गौरव (पत्रकारिता)

देश दुनिया की जानकारी प्रदान करने में मीडिया की महती भूमिका है। आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया, दोनों ही जन-जन तक पहुंचने के सशक्त माध्यम हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में भिवानी का नाम रोशन किया है श्री राम मेहर शर्मा ने। आपका जन्म 1 मई 1963 को पिता श्री उमादत्तजी के घर हुआ।

आपको हरियाणा में हिंदी पत्रकारिता का 32 साल का अनुभव है। आपने सन् 1991 में राष्ट्रीय सहारा से पत्रकारिता यात्रा की शुरुआत की। इसके साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया पत्रकारिता की यात्रा भी सन् 1991 में राष्ट्रीय सहारा से शुरू की। अपने पत्रकारिता जीवन में आपने अनेक प्रमुख पत्र पत्रिकाओं मे अपनी सेवाएं दी है। अपने लेखन की एक अमिट छाप छोडी है । एक सत्यनिष्ठ और निर्भीक पत्रकार के रूप मे आप जाने जाते है । आप न्यूज 24, हरियाणा न्यूज और स्टार न्यूज़ में अपनी सेवाएं दे चुके हैं । समय -समय पर अन्य चैनलों के साथ भी कार्य किया ।

आप हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रहे। भिवानी का प्रसिद्ध सट्टा बाजार लाइव प्रसारित करने में आपकी विशेष भूमिका रही। पत्रकारिता के साथ-साथ आप समाज सेवा के अनेक प्रकल्पों से जुड़े हैं। आप आपातकाल में दुर्घटनाग्रस्त एवं आवश्यकता पड़ने पर लोगों को रक्तदान द्वारा सहायता प्रदान करते को तत्पर रहते हैं । जनवरी 2010 से किशनलाल जालान हस्पताल में आंख बनवाने वाले वृद्धों को दूध दलिया उनके बिस्तर पर खिलाने की सेवा में रत हैं जिसके लिये जालान हस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आपको सम्मानित किया गया। आपको मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जा चुका है । कोरोना काल में रोटियों का निरंतर वितरण किया गया।

समाज के निर्माण मे समाचार पत्र : पत्रिकाओं की महती भूमिका होती है तथा आपने निष्पक्ष पत्रकारिता के माध्यम से इसमें अपना अमूल्य योगदान दिया है । कोई भी खबर, सही रूप में आम जन तक पहुंचे, इसके लिये आप सदैव तत्पर रहते हैं।

सम्प्रति आप पत्रकारिता के माध्यम से अपनी सेवाएं दे रहे हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ।

श्री ओम प्रकाश गोयल
पंडित नेकी राम शर्मा
भिवानी गौरव सम्मान (राष्ट्र सेवा)

जिस समाज और देश ने हमे बहुत कुछ दिया है उसके प्रति भी हमारा कुछ दायित्व बनता है। इस उक्ति को दिल में उकेरा है ओम प्रकाश गोयल ने ।

8 फरवरी 1950 को जन्मे श्री ओम प्रकाश गोयल भिवानी के सेठ नंदराम जी परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जिन्हें भिवानी (हरियाणा) की बस्ती बसाने का गौरव प्राप्त है। उनकी उद्यम शीलता की भावना के कारण ही भिवानी ने स्वतंत्र भारत के मानचित्र पर एक प्रसिद्ध स्थान हासिल किया है।

महान दादा स्वर्गीय श्री लक्ष्मी नारायण गोयल लाहौर (अब पाकिस्तान में) विश्वविद्यालय से कानून स्नातक थे। उन्होंने सरकार में प्रमुख पदों पर कार्य किया। वह एक वकील थे और भिवानी (हरियाणा) में जनता द्वारा उन्हें उच्च सम्मान में रखा गया था।

वह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता थे और समाज के दलित वर्ग के उत्थान के लिए अथक परिश्रम करते थे। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हिसार नगर निगम (हरियाणा) के उपायुक्त के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान लोगों को पर्याप्त नागरिक सेवाएं अथवा सुविधाएं मिले। वह अंतिम सांस तक जनता के लिए कड़ी मेहनत करते रहे। मानव सेवा उनका जुनून था। श्री ओ.पी. गोयल ने उस विरासत को जारी रखा है और दिल्ली और हरियाणा के लगभग सभी अग्रवाल सम्मेलनों, सभाओं, संघों से जुड़े हुए हैं। आप अथक रूप से समाज के उत्थान के लिए काम कर रहे है। आप कई गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक संघों, धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थानों में उच्च पदों पर अपनी सेवायें दे चुके हैं।

आप एक प्रसिद्ध व्यवसायी, शिक्षाविद, वक्ता, नागरिक और सामुदायिक नेता हैं जिसके पास मजबूत आर्थिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ 50 से ज्यादा वर्षों का प्रचुर अनुभव है। आपने सन् 1969 मे चंडीगढ विश्वविद्यालय से राजनैतिक विज्ञान मे स्नातक किया । आपकी मीडिया, व्यवसाय, समुदाय और नेताओं के साथ अत्यधिक सहभागिता है । समाज के गरीब और कमजोर वर्गों की मदद और उत्थान के लिए व्यावसायिक और कौशल शिक्षा के प्रबल समर्थक हैं । विशेष रूप से त्रिवेणी यानी बरगद, पीपल और नीम के पेड़ लगाकर पर्यावरण के संरक्षण में महती भूमिका है। भारत के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास के उत्साही पाठक हैं । आप एक दूरदर्शी, चुनौती से प्रेरित व्यक्तित्व है जो शैक्षिक और सामुदायिक क्षेत्रों में काफी सफल हैं । एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लोगों को एक साथ लाने और काम करने के लिए प्रेरित करने की अदभुत क्षमता है । विभिन्न समूहों के बीच आम सहमति बनाने में उत्कृष्टता हासिल है । अग्रवाल और वैश्य समुदायों में व्यापक रूप से सम्माननीय हैं ।

गत 50 वर्षों से आपने एक सामाजिक कार्यकर्ता के नाते सामुदायिक निर्माण में अधिकतम समय समर्पित किया है। इसके अलावा आपने जरूरतमंदों की मदद करना, सामाजिक कार्य करना, इस देश की सामाजिक विजन और मिशन को बढ़ावा देना एवं मजबूत करना, तुगलकाबाद और कालकाजी वार्डों में नागरिक और सामान्य परिस्थितियों के सुधार के लिये अनेक कार्य किये । आवासीय सुविधाओं में सुधार, पेड़ लगाना, अधिकारियों, निवासियों एवं व्यापारियों आदि को जोडने में प्रमुख भूमिका अदा की। आप प्रमुख सामाजिक, सामुदायिक कार्यक्रमों, मीडिया के साथ मजबूत संबंधों के साथ नागरिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले रचनात्मक और साधन संपन्न व्यक्ति हैं । आप अंतिम सांस तक समाज की सेवा करने में रुचि रखते हैं।

अपने पूर्वजों से विरासत में मिले अपने आनुवांशिक गुणों में मानवता की सेवा करते हुए आप सन् 1971 में 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' में शामिल हुए और इसके सक्रिय सदस्य बने। राजनीतिक क्षेत्र में यह आपका पहला कदम था और तब से आपने प्रदेश कांग्रेस में प्रमुख पदों पर कार्य किया और सभी स्तरों पर काम किया। सन 2016 में आप माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण और मिशन से प्रभावित होने के बाद भाजपा में शामिल हो गए।

आप अनेक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हैं । आप दिल्ली प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन-दक्षिणी दिल्ली के अध्यक्ष, जिला स्तरीय सतर्कता समिति, खाद्य एवं आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सदस्य,अखिल भारतीय व्यापारियों का परिसंघ (कैट) के उपाध्यक्ष, श्री अग्रसेन फाउंडेशन के ट्रस्टी, वैश्य अग्रवाल सभा, कालका जी और तुगलकाबाद एक्सटेंशन के अध्यक्ष ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन, तुगलकाबाद एक्सटेंशन रजि. के अध्यक्ष, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन तुगलकाबाद एक्सटेंशन रजि. के अध्यक्ष, न्याय भूमि के संरक्षक, भिवानी परिवार मित्र संघ के संरक्षक, अखिल भारतीय वैश्य संघ के संरक्षक, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (ABAS) के संरक्षक, आगरा संदेश समाचारपत्र के संरक्षक, वैश्विक वैश्य संगठनों की सलाहकार समितिके सदस्य, इंटरनेशनल वैश एलीट मैरिज एलायंस के संस्थापक ट्रस्टी और उपाध्यक्ष, स्वपन कुंज, आरडब्ल्यूए कालकाजी एक्सटेंशन (पंजीकृत) के भूतपूर्व अध्यक्ष और कालकाजी विस्तार के 9 आरडब्ल्यूए संघ (पंजीकृत) भूतपूर्व अध्यक्षके रूप मे जुड़े हैं ।

गुजरात के भूकम्प, नागरिक और सामान्य परिस्थितियों के सुधार के अनेक कार्य किये हैं । तन-मन एवं धन से अपना सहयोग निरंतर कर रहे हैं।

अपने शहर में विभिन्न मुद्दों पर सरकारी पदाधिकारियों को नियमित के रूप में पत्र लिखने का शौक है। हाल ही में प्रधान मंत्री को लिखे गए उनके एक पत्र को माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की खंडपीठ द्वारा एक जनहित याचिका में बदल दिया गया था, जिसमें दिल्ली मे आपने मानव रहित बैरिकेड्स के कारण दिल्ली की जनता के सामने आने वाली बाधाओं और उत्पीड़न पर प्रकाश डाला था।

माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने अवलोकन में कहा कि श्री ओपी गोयल द्वारा उठाया गया मुद्दाको विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि सड़कों के मानवरहित बैरिकेड्स, प्रथम दृष्टया, कोई उद्देश्य नहीं देते हैं और वास्तव में बड़े पैमाने पर जनता को असुविधा और उत्पीड़न का कारण बनते हैं। इस तरह के बैरिकेड्स का इस्तेमाल कियोस्क लगाने और चलाने और वाहनों की पार्किंग के लिए भी किया जा रहा है। सम्प्रति आप एक प्रतिष्ठित सामजिक व्यक्तित्व के रूप मे राष्ट्र सेवा में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.)

'भिवानी गौरव सम्मान : 2022'

डॉ. वंदना वत्स
(नारायणी देवी-महावीर प्रसाद भग्गनका ओजस्विनी सम्मान)

भिवानी की नारी शक्ति आज जीवन के लगभग हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने मे सफल हुई है।

इसके लिये उसने अपनी योग्यता और परिश्रम से अथक प्रयास किये है। डॉ. वंदना वत्स ने एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है ।

डॉक्टर (श्रीमती) वन्दना वत्स का जन्म 23 अप्रैल 1978 को श्री वेद प्रकाश वत्स एवम श्रीमती कमला देवी के यहां हुआ। आप वैश्य महाविद्यालय भिवानी में विगत 16 वर्षों से अध्यापन कार्य कर रही है। अपने विद्यार्थी जीवन से ही प्रतिभाशाली होने का परिचय देती रही हैं। अपने अध्ययन काल में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने के साथ साथ स्नातकोत्तर अंग्रेजी में आपने हिसार जिले में सर्वाधिक अंको के साथ सर्वश्रेष्ठ स्थान अर्जित किया। अध्यापन के अतिरिक्त महाविद्यालय की विभिन्न समितियों में कार्य करते हुए आपने अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया है। आपने वोमेन सेल की संयोजिका, यूथ रेड क्रॉस की संयोजिका, साहित्यिक गतिविधियों की प्रभारी, रेड रिबन (A I D S) क्लब की प्रभारी, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान की नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए अपनी विशिष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। जिला भिवानी के प्रशासन की विभिन्न गतिविधियों के निर्णायक मंडल की प्रमुख सदस्य के रूप में भी आपने ख्याति अर्जित की है। मंच संचालन की आपकी निपुणता से सब परिचित है। जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय के युवा समारोहों में आपके मंच संचालन को प्रमुख रूप से सराहा गया है।

आपकी इसी विशिष्टता को दृष्टिगत रखते हुए पंजाब एवम हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा अपने विशेष कार्यक्रम के संचालन का दायित्व आपको दिया गया। महाविद्यालय की अपनी सेवाओं के अतिरिक्त आपका मानवीय पक्ष भी प्रशंसनीय रहा है। गरीब विद्यार्थियों की आर्थिक सहायता करने के साथ साथ पारिवारिक सहयोग का पक्ष भी प्रबल रहा है। सड़क सुरक्षा अभियान में आपके सहयोग को प्रमुखता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा आपको सम्मानित किया गया है। ध्यान की पद्धति विपश्यना एवम सुदर्शन क्रिया में भी आपका विशिष्ट अनुभव है।

अनेक विद्यार्थियों को साहित्यिक गतिविधियों में संलग्न करने के आपके प्रयासों को मानते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के द्वारा आपको 2016 में विशिष्ट सहयोग सम्मान दिया गया। जिला भिवानी के कारगिल में शहीद सैनिकों की विधवाओं व माताओं को सम्मानित करवाने का गौरव भी आपको प्राप्त है। शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत आपके द्वारा अनेक राष्ट्रीय एवम अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में प्रतिभागिता की गई है। इनमें आपके द्वारा 20 शोध पत्रों की प्रस्तुति की गई तथा आपके 10 शोध पत्रों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए छात्रों को निशुल्क परामर्श एवम सहयोग के लिए आप सदैव तत्पर रहती हैं।

संप्रति आप वैश्य महाविद्यालय भिवानी में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में सेवारत हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको नारायणी देवी-महावीर प्रसाद भग्गनका ओजस्विनी सम्मान से अलंकृतकर अनुगृहीत हुआ।

श्री राजेश डुडेजा
फकीर चंद
भिवानी गौरव सम्मान (सेवा)

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के लोगों में सेवा भाव की भावना सहज ही देखी जा सकती है।

श्री राजेश डुडेजा सादगी और सेवा की जीवंत मूर्ति हैं । आपका जन्म 22 अगस्त 1968 को पिता श्री सतपाल जी के घर हुआ। आपने प्रभाकर, बीए, एमए हिंदी एवं जर्नलिज्म की शिक्षा ग्रहण की। तत्पश्चात सन 1987 में हिसार संदेश से शुरुआत करने के बाद सन 1989 से रोहतक पोस्ट व जनसत्ता में फोटोग्राफर जर्नेलिस्ट, सन् 1999 से सन 2004 तक अमर उजाला, सन् 2004 से 2022 तक पंजाब केसरी, दिल्ली संस्करण में लगातार अपनी सेवायें दे रहे हैं ।

आप वर्ष 1994 से भिवानी में रक्तदान की मुहिम से जुडे हैं । सन् 1995 मे आई बाढ के दौरान आपने पहला रक्तदान करने के बाद पीछे मुडकर नहीं देखा और रक्तदान को अपने जीवन का हिस्सा बना लिया। रेडक्रॉस दिल्ली, पी जी आई रोहतक, ब्लड बैंक सिविल अस्पताल भिवानी, मेडिकल कालेज अग्रोहा, एम्स दिल्ली के रक्तदान शिविर लगवा चुके हैं। आपने अभी तक 108 बार रक्तदान किया है। साथ ही राजकीय महाविद्यालय व चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी में हजारों युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित कर चुके हैं । आपके द्वारा थैलसीमिया पीड़ित, अनीमिया, डायलिसिस, गर्भवती महिलाए दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति व डेंगू मरीजो के लिए रक्त उपलब्ध करवाया जाता है। भिवानी में कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाऊन में ब्लड बैंक में आपने रक्त की पूर्ति की व ब्लड बैंक में कभी रक्त की कमी नहीं आने दी। है। आप रक्तदाता को अपने वाहन पर लाकर उनसे रक्तदान करवाने के बाद खुद ही उनके घर छोड़ कर आते थे । रक्तदान के अलावा प्रवासी मजदूरों को भोजन, मास्क व सेनिटाइजर का वितरण भी किया है। इसके इलावा जब भिवानी में डेंगू की महामारी फैली तो दिन रात ब्लड बैंक में रहकर हजारों लोगों की जान बचाई।

आपने लोगो को अपने से जोड़ने के लिए ब्लड डोनर के लगभग 50 व्हाट्सएप ग्रुप भी बना रखे हैं, जिसमे ब्लड डिमाण्ड की सूचना डालने के बाद डोनर खुद ब्लड बैंक पहुच जाते हैं। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंगारू लक्ष्मण, मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला रक्तदान की इस अद्भुत मुहिम के लिए विभिन्न मंचों पर आपको सम्मानित कर चुके हैं।

इसके अलावा रेडक्रास हरियाणा, सांस्कृतिक मंच, भारत रत्न अम्बेडकर शिक्षा समिति, रोटरी क्लब, चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी, हरियाणा फोटोग्राफर यूनियन, राधास्वामी भिवानी, निरंकारी मिशन दिल्ली, जियो गीता स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, पंचनद समिति दिल्ली सहित अनेको संस्थाएं अपने कार्यक्रमों में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर आपको सम्मानित कर चुकी हैं।

आपके विनम्र स्वभाव, निष्काम सेवा भाव, सरल जीवन शैली व प्रेम भाव के कारण आपका चुंबकीय व्यक्तित्व सबको अपनी ओर आकर्षित करता है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

सुविचार

एक अच्छा दोस्त
बुरे वक्त को भी अच्छा
बना देता है

जीवन में लक्ष्य का होना
बहुत ही जरूरी है
बिना लक्ष्य के जिन्दगी
अर्थ विहीन है

रिश्ते हमेशा एक-दूसरे का ख्याल
रखने के लिए बनाए जाते हैं, एक-दूसरे
का इस्तेमाल करने के लिए नहीं

जो इंसान अच्छे विचार
और अच्छे संस्कार को पकड़
लेता है, फिर उसे हाथ में माला
पकड़ने की जरूरत नहीं पड़ती

जिंदगी का सफर
मानो तो मौज है वरना
समस्या तो रोज है

जिंदगी एक मिनट में नहीं बदलती
पर एक मिनट में लिया गया फैसला
जिन्दगी बदल देता है

समय बहरा है
कभी किसी की नहीं सुनता
लेकिन अंधा नहीं है
देखता सबको है

हमेशा खुश रहा करो
ये सोच कर कि दुनिया में हमसे
ज्यादा परेशान ओर लोग भी हैं